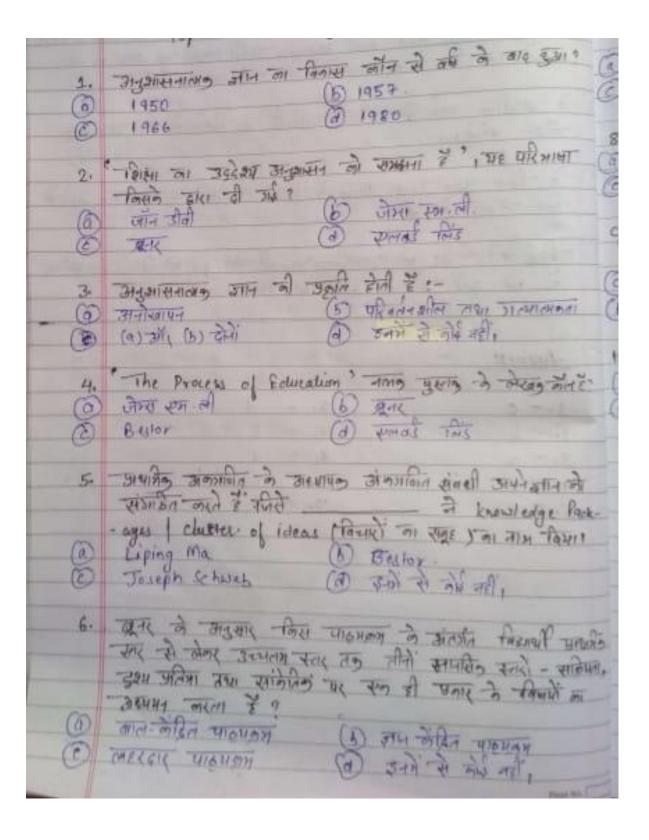
Bhakt Darshan, Govt PG College, Jairikhal

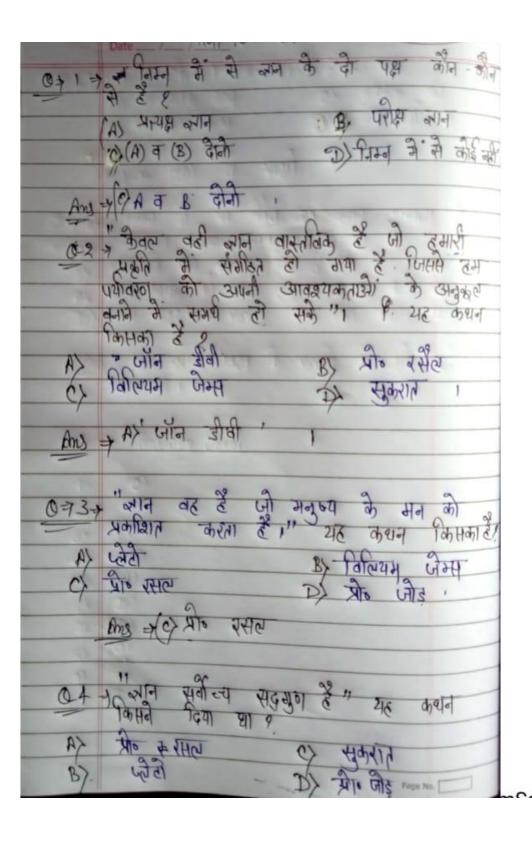
Self finance B. Ed. Department

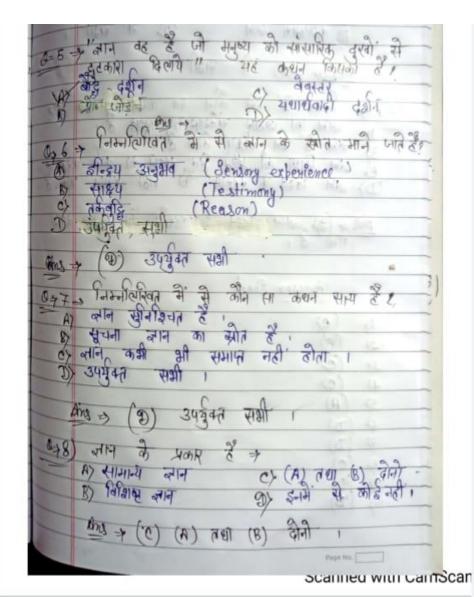
Mrs. Rashmi Rana (Science Teaching)

Understanding Discipline and Subject



7.	"पाठपणा में सर्वास्त्रेण जिलिन अनुशासनी ने संबंधित ज्ञान मंत्रित नेना नारिक क्यों कि जिलिन अनुशासन काम को विश्वन गोग्य रूप में
	जन्म निर्मा वर्ष कार्य निर्मात होता करा जामा देव
00	(b) स्त्रीरोक स्थानन
(0)	क्रेस्टर (व) -फिनिनर्स -1
S.	अनुश्रासमात्मक ज्ञान क्रिया किया प्रमाद के पाठ्मका का निर्माण केला है।
1	काल ने किए
0	नाम न लेकि (के उनके से नहीं,
9.	अनुकासमारमक आन के खेलाति विकासीयों के आहितान के क्यामांत्रका के कीन
6	क्यानांतरण न्यो उम्मीद न्यो जाती है। विद्यांतां तथा अलीवनियों त्या स्थानांतरण कि अनियाम ना विशेष स्थानांतरण अपने नामिन व स्थाद के दोनों (में स्वारों से स्थादी।
(0)	व और ह दीनी कि कार्र ने की नहीं।
-	The state of the s
10.	31 gardenicios ana the forum ena un mentro 70
0	CHOSICAIA DI GALLIATA
(0)	भागायावी (१) रामुना राभी





कार के विशेष प्रकार है - ने तारिक के ने कि विशेष प्रकार है - ने तारिक के ने कि विशेष प्रकार है - ने तारिक के ने कि विशेष के कि विशेष

```
जात के स्त्रोत नियम में से मैन-साहै।
क भन्न निष्ट के ब्राह्म ए इंद्रिय सन्भाक अवस्थित
प्र02 जान के प्रमार है के
(व) प्रयोगम्बर्क मान (७) वंबेटी मान
 ह अर्रेमायस्य जान ए ने सत्री
% उस सील स्वास मह स्था किसा है।
 ल बन्द्रम क मरस्त लाद्येश क्रमांने वेशी
प्रवास के जान प्राप्ति के स्त्रोत है
 व मामकि प्रशिष्ठता का मिरामका प्रशिष्ठता
 (८) सामुदामीक जीनन प्रशिष्ठकारा नारिकिन प्रशिष्ठका
प्रेक्ट अनुभवनाथी धिद्धान्त के अनुसार --- जान
    की जननी है।
                   (b) ARA
 (व) अनु अन्
                   M) सद्गीय
 () अन
% वान मा धरांत है-
 (०) जनमनारी विद्वार कि सहित्तर में विद्वार
    मिल हिं पा मंदित के प्राची
```

प्रति स्था के कि सार है।

प्रति स्था होती के मिलान ने कर के कि सार है।

प्रति सार सित है। यह स्था कि सार है।

प्रति सार सित ने कर सार कि सार है।

प्रति सार सित प्रति प्रताह है।

प्रति के सार सित प्रताह है।

प्रति के सार के सार है।

प्रति सार के सार है।

प्रति सार के सार है।

प्रति सार सित के समार है।

-0.	The state of
Q.1:	MIGSTAN JAMINO ON LIERIN ES
(a.)	विश्वासालता का मिडिहाप
(8)	मावहाता का म्यात
(0)	BASELIGIUI OF HERILY
(0)	31/slay fight
	0
Ansı	(d) 345104 Hall
	TO DESCRIPTION OF THE PARTY OF
0.2.	Curriculum 2100 an 310 27
(a)	Cis all fight
(6)	410051104)
(c)	उग्रहावाम ।
(0-)	12/401
An	(a) दांड का महम
=	0 . 99
0.3.	21AI SHIEFILL SS
(a)	Biet Hadiet Hizery (P) Diagic an Hiday
(c)	21111 as Higgin (A) Buxlay High
Ansı	(g) Busian Light
	THE RECEIPT OF THE

Scanned with CamScanner

_	विश्व राष्ट्र के विश्व मार्ट के
Q.4:	Sula Henred Lizzer C de min when
=	प्राह्म हमार (8) प्राह्म
(a·)	निर्ध (8) निर्धार
(0)	To, Revis
Aha !	(8) Haxin !
-	
05!	34) अव वाही स्टिशाम के अधिकार
	ज्यान की जीनानी हैं।
(a.L	अनुभव (है) चोर्स
(0)	4101 (g.) 4137101
	THE PROPERTY (3) THE
Amı	(a) 34349
	the second second of the second secon
0/	ीनाम मा सा सा सा का पक्ष है।
6).6,	1 0
(a.)	- 00
(c.)	A a B GETT (8) Set 41 A B a B a B a B a B a B a B a B a B a B
Awes	A a B GIMI;
Ansi	
Q.7º	निम्हा का का काश्व ताश्वक्त का अनमात्र
=	A191 95
(a-)	उमहरायक (ह) जिसावा
(0)	/ 31aons1 (D.) उन्तर्भधान
Anst	(C) 3100121
	Application of the Control of the Co

पाठ्यक्रम (a.) A agrica of (d.) पाठ्यवस्त (8) Hisark Ahai 2.9, ताव्याक्षा सम्बद्धा (c) a q b Gieti Anst (C) a 9 6 2141, AGEIM . अन् अववादे। (मन्मादापा देव नान लाव (a) (c.) (b) (HIN (MIN) Ans:

Record to be Residence

81+ @ @ Ana ©	ज्ञान के सामान्य ज्ञान A और 8 दोनी A और 6 दोनी	я т. (В (Д)	हैं २ विशि इनमे	ोहर ज्ञान में की:	ई नही	
An (0) An (0) An (0)	्रमान के वैज्ञानिक ज्ञान	- ਜ਼ਿਸ ੈਕ - ਜ਼ਿਸੈਕ - ਜ਼ਿਸੈਕ - ਜ਼ਿਸੈਕ	प्रकार तार्किक मे न	हैं- ज्ञान प्रभी		
	उपनिषद संग परा विद्या त और 8 दीनो A और 6 दोनो	<i>э</i> пн (Б)	के अप अपरा वि इनमें	म्बर हैर वेद्या से नोर्व		
	जैन दर्शन और अती ज्ञान इजाहा ज्ञान	ত ক্রান	के भूमि व ये स	प्रकार है मान भी		

Дऽ+

अनाम का सिद्धान हैं ।

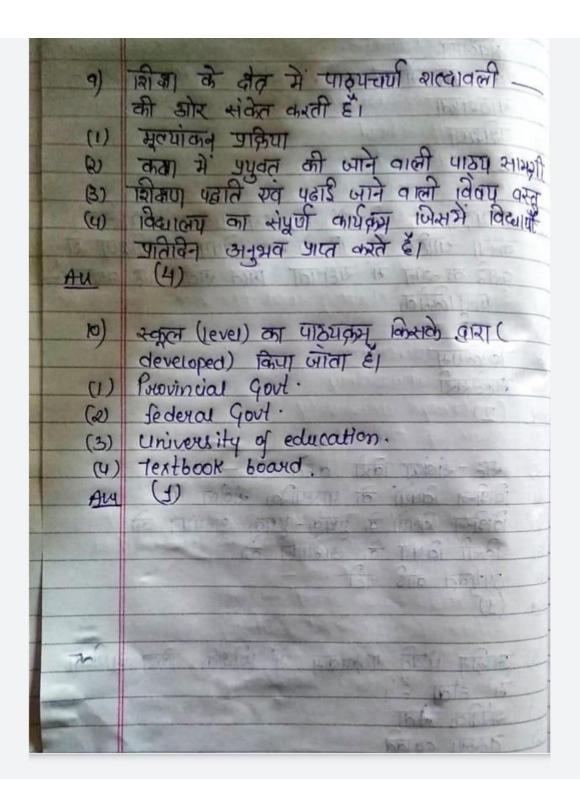
अनुभवनादी प्रमिद्धान कु अतिबद्ध का सिद्धान कु प्रमिद्धान कु अतिबद्ध का सिद्धान कु प्रमिद्धान कु प्रमिद्धान कु प्रमिद्धान कु प्रमिद्धान कु प्रमिद्धान कु प्रमिद्ध प्रप्रमिद्ध प्रप्रमिद्ध कु की प्रमान प्रप्रमिद्ध प्रप्रमिद्ध कु की प्रमान प्रप्रमिद्ध प्रप्रमिद्ध कु अतिबद्ध प्रप्रमिद्ध प्रप्रमिद्ध कु प्रमिद्ध कु प्याप कु प्रमिद्ध कु प्रमिद

```
प्रधन 6: निम्न में जान के खीत माने जाते हैं।
     (0) बन्द्रम अनुभव (७) तर्कवुद्धि
                           (d) अर्धुकत सभी
    (с) साद्य
  उत्तर: (त) अर्धानत समी ।
 प्रधन मह जान के रूप है।
        सूचन (७) जानना
    (८) बुक्तिमला (८) अपर्युक्त सभी।
  उत्तर १ (व) उपर्युक्त सभी ।
 प्रध्नवः बुद्धिवाद का सिद्धांत है।
    (व) विलिश्म जेम्स (1) जॉन लॉक
    ७) सुकरत , जेरो
                      (व) जॉन डीवी
 उत्तर ६ (८) सुक्यात , प्लेटी ।
 प्रम १: अनुबाव वारी सिद्धांत के अध्यदाता है ।
       जॉन डीवी
                                निक्यम जेम्स
  (८) ब्रा॰ जोड
                        (4)
                               जॉन लॉक
उत्तर १ (व) जान लॉक ।
प्रवन्त "बान वह है जो मनुष्य के मन की प्रकाशित करता है" यह
     कंग्रन विस्ता है।
                         (७) विलेशम जेम्स
  (व) ब्री रसेन
                         (व) प्री॰ प्रोड
     ्जॉन नांक
उल्र : कात्री रसेल ।
    उत्तरमाला - 1- c , 2- b , 3-d , 4- b , 5- a , 6-d 
7-d , 8-c , 9-d , 10-a
```

```
प्रश्न (1): जान के मुखातः कितने प्रकार है।
                          (b)
                         (4)
 उत्तर : ७
  प्राच 2 "ज्ञान अभित है " यह जशन किसका है?
      ७) सकरात
                  (b) हाउस
       (c) प्रोफेसर रसेल (d) विलियम जैम्स ।
 उला(१ (७) हांवस ।
 प्रका उर निम्न में से जीन सा कथन सही है १
    (a) बान सुनिधाचत है (b) सूचना बान का स्रोत है
    (c) ज्ञान कभी भी समाप्त नहीं (d) उपर्युवत सभी
उत्तर : (त) उपर्युक्त सभी।
प्रश्न "आत्मा व प्रमात्मा के रूप में विचारों की अनुभूमी ही
       वास्तिविक ज्ञान है। यह कथन किसका है -
                      (७) दलेटी
उद्यर्क स्वारात .
       स्त्री
                       (वा हांब्स ।
   (0)
 उत्तरः (७) देनरो ।
पूछल 5: "बान सर्वीच्य अवगुष है"— यह कथन किसका है
                          ७) प्लेटी
  (व) सुकरात
      त्री जोड
                           (व) हादम
म्तरः (व) सुकरात ।
```

	Long trong 6 6 6
J.	पाठपक्रम को तैयार करने में सकरे आधीक हैं।
	ह्यान् रखना पहला है।
(1)	शिला का
(2)	ारीक्षा के अवदेश्यों का
(3)	पार्श की निषय करत रखे सामग्री का
(4)	श्रीक्षिक विविद्यों त्या नरा नरा तकनीकी सहापता
	उपकरणों का भारतिस्थान प्राप्ति ।
AN	(2)
	ाशिक्षा की विभा कौन । नेद्यारित करता हैं;
2)	
ŋ	SIGN WAS TOWN TO THE TENED OF T
?)	ाशीकाल
3)	पाठ्यक्रम
4)	अांग्रीभावन
Any	(3) - Musumu sub romai 3
0.70	a signe of the stands
(3)	पारुपक्रम् ानेमणि का !स्रीशंत हैं। विश्वेपाशी सता का !स्रीशंत
(1)	ाक्रियाशीलता का !सेश्रात
(2)	विविधता का भेवान
(3)	उपयोग्गीता का । भीद्रांत
(4)	उक्त समी -
Any	(4) Sound been used standard
	पाठ्यक्रम की संक्षेत्रिय छ पदाते आधारित हैं;
1	पाठ्यप्रम जा राजान्त्रप र प्रमात जापारित है।
(1)	सरल से कार्टन की ओर
(2)	कार्रिन से स्तरल की आर
(3)	प्रणी से अपूर्ण की ओर
(4)	सरल से काहिन की ओर काहिन से स्वर्त की ओर पूर्ण से अपूर्ण की ओर अपूर्ण से पूर्ण की और
AN	(1)

	Date: 1
5)	करी कुलूम शस्द का अर्थ हैं।
(1)	र्वेलाडी
(3)	दौंड़ का मैवान
(3)	पाठशाला
(4)	ाशिक्षण
Ary	(2) our horse bles so some a con
(6)	पार्यक्रम के विषयों को उस प्रकार व्यवस्थित
1	करेंगा चाहिरा कि । जिससे एक विषय के । शक्षण से दूसरे के व्यान में सहायता । मिल सके । यह क्यान है
-	दूसर के अनि में सहायता मिल सके। यह क्यान है
(1)	जेरा विमेन
	5873
(3)	वि लियम
	मान्टेसरी
AN	(2)
71	17 - 11-der
7)	सह - संबंधा विसे कहते हैं। -
(1)	विभिन्न विषयों के प्रस्पिनिक सेलंबर को
(3)	किसी विषय के अध्ययन को
(4)	उपर्युक्त कोई मही
ALY	(1)
Livi	
8)	अछिम् पंचित् पार्वपक्रम में ।शिशक किस भूगिका
	म होता है।
(1)	भाविक नेता
(5)	तरस्य त्यावते
(4)	सह अहपेता कोई नहीं
-CD	319 461



त्रे - अग्नम् आन के प्रवर्षित सीवह __ त्म। डीव और (छ) विविच्या जीव्य (छ) कोर्च (छ) छोच इस्त्रेय 80_ (JI) 50_ That sill and Star will sed &_ (अ) भूगा जान (अ) प्राप्त भान (म) केवल्य जान (क) प्राप्त जान @ - (1) तक- देशमा, मु यात सम्बद्धा व चित्रामा था। यालामा थानप् टेल चान ताल प्रजन (क) तर्वबृद्धि (ग) सार्य (घ) संतः प्रजा (घ) इतिहास अनुभव B- (II) 902 "अपन हमारी वर्षाकारी, जानकादी व अनुकर्म के अवहर में बार का मार्ग यह करान किसन हिया _ (a) शिवराम जैस्स (ख) प्रयावाडी टिक्ट विष् (१६) (व। प्री० इसेव Bb - (JI)

so किस आन के उम्बाति कहातीं, त्योकप्रचारित कहारी तथा प्रस्पारों आती हैं _ (क) प्रामुन आविक (का भारतीयिक (क) अस्य म (प) अन्मेय (ca) 50 - उपप्रियद में जान हेतु कौन आ डान्य प्रयुक्त किया जाता है -(म) सन्त इति (च) अन्त सनुभाते (A) उ०- 'जान व्यवहारिक' प्राप्ति व स्प्रांत्रता का दुस्सा नाम है। कहा -(ग) प्रेन्जित (2) विश्वियम जेन्स (वा) प्रीय बसीय @ _ (I) 90 - अनुभवजन्य भाग के पुरुषक कॉ न रो _ (म) प्रे स्मेल (क) जात (उ।) जान क्रिंक (0) प्रेण विशिधम जैस्स (J) (JT) 9 - विघलय में जान आहे का श्रेत & -(क) भागमिक प्रश्लेशन (छ) काँग्रामानम प्रभागा (३) साबुडाविक जीत्र प्रक्रीशां (व) चारिक प्राक्रीशां Qb - (a) 90 - जान में किस्ते हैं -(म) - ब्रिटाइ (a) 2534051-24 (बा) ये अभी (हा) यांग 0 - (81)

- व विद्यालय में जान जाति के विद्यान हैं:

 (क) मानसिक अधिका (क) लीमाल्यालक जान

 (क) सामुसायिक तान जिल्लान (क) न्यारिविक अधिकार)

 क्रिन: (d)
- विश्व अनुकारक्षम के अकार हैं:

 श आरितिक रेण व मिन्ना लार्गा के कहा के बाहर कर देगा

 कारा कि कारर कर देगा

 कारा (त)
- विशा से सह सम्बद्ध शब्द का उजीत कर्वप्रधाने किये किया था ।

 (क) हरवर ने (क) स्पेश्चर ने (व) क्रीमधाने क्रिक्श किया था ।

 (क) स्थिया ने (व) क्रीमधाने के ।

 (व) क्रीमधाने के ।
- 8. सह सम्बद्ध मिलें प्रकाट का रोला है:-(अ 2 %) 8 (अ 4 (अ इन्नें के कोर्ट की

Ans: cb)

की जारामा करता हैं-

(भ मामसिक (क) सामानिक (क) मोनिक (क) मनो वैज्ञानिक

Aus: 1 ()

0.1 नाम के अकार है।

(सामाना नान (तिजिए जान (क्रिक्मा सी)

D दनमं के लोई नहीं।

माण - @ स तमा @ दोनों।

D.2 (- जान के निजोस प्रकार है।

(A) में जानिक जार (D) तार्किक जार @ कलाहाद जार (D) मेस्प्री / मार १० ये सभी।

03 (- उपनिद्र क्लं जा के अदार है).

® परा विद्या D उसपर विद्या © स तथा नदीरों @ फोर्ट नहीं। ALLY A-1 Zili

0.4: दीन दर्शन और जाप के अकर रे

@ अती बाम @ इति बाम @ अतिहास D प्रेस्ओ।

ALQ4- शे स्त्री।

क्षा का चिह्यल है).

@ अनुमतनारी व्यवस्थल () ब्राह्मिनए का सि © प्रोगका वि o D मे स्मी।

Aus - घे स्त्री।

0.6: निशाला में नाक स्रोहरे)

(A) जानारिक प्राञ्चिम (D) क्रीक्सात्मव, प्राणिवाष () स्कूराणि (D) चारिनिक सार्गतन

म्प! - न्यारिजिक ग्रामिसका

0.7 9. अनुभाम अव्य (Diccipline) क्रिस्पित से उत्यन हमारी

6.0% केवन वहीं जान अलात है की स्लाही प्रकृति में संगन्धि को जागा है प्रिस्ते हन प्रमातका को समनी कातकाद महों के सहकल वनिय में समर्च हो सके । प्रहारत है।

@ स्प्रिकी D प्रो स्रोल @ तिलिया पीन्स D ख्या मार्ट जीर रीवी

000 - सान वह है जो महणा के अन को प्रकाशित परता है। करानही

(एकेरा - @ ख्वरात @ को० रसल () को० कोड़।

AM : मीठ स्मर्त ।

D.10 · व्यान स्रवीय स्वरूप है। यह कमा है।

@ क्री रसल 10 कुण्यात O खेरी D साँत तिनी

Abst: - (1) gall/